सम्पूर्ण विश्व में बढ़ती हुई जनसंख्या एक गंभीर समस्या है, बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ भोजन की आपूर्ति के लिए मानव द्वारा खाद्य उत्पादन की होड़ में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए तरह-तरह की रासायनिक खादों, जहरीले कीटनाशकों का उपयोग, प्रकृति के जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान-प्रदान के चक्र को (इकोलाजी सिस्टम) प्रभावित करता है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है, साथ ही वातावरण भी प्रदूषित होता है तथा मनुष्य के स्वास्थ्य में गिरावट आती है।

भारत वर्ष में ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है और कृषकों की मुख्य आय का साधन खेती है। हरित क्रांति के समय से बढ़ती हुई जनसंख्या को देखते हुए एवं आय की दृष्टि से उत्पादन बढ़ाना आवश्यक है। अधिक उत्पादन के लिए खेती में अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशक का उपयोग करना पड़ता है, जिससे सामान्य व छोटे कृषकों के पास कम जोत में अत्यधिक लागत लग रही है और जल, भूमि, वायु और वातावरण भी प्रदूषित हो रहा है, साथ ही खाद्य पदार्थ भी जहरीले हो रहे हैं। इसलिए इस प्रकार की उपरोक्त सभी समस्याओं से निपटने के लिए गत वर्षों से निरन्तर टिकाऊ खेती के सिद्धान्त पर खेती करने की सिफारिश की गई, जिसे प्रदेश के कृषि विभाग ने इस विशेष प्रकार की खेती को अपनाने के लिए बढ़ावा दिया जिसे हम जैविक खेती के नाम से जानते हैं।

ग्रीन एक्शन वीक सतत् एवं टिकाऊ उपयोग के लिए एक जन-जागरूकता अभियान है। इसका उद्देश्य उपयोग करने के कारणों से होने वाले पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाना है तथा उपयोग के स्थायी तरीको को बढ़ावा देना है। ग्रीन एक्शन वीक पर कुछ विशेष विषय रखे जाते हैं और यह विषय दो वर्ष के बाद बदले जाते है। वर्ष 2013 व 2014 के ग्रीन एक्शन वीक का विषय है 'सभी के लिए जैविक खाद्य और खेती' - उपभोक्ताओं और किसानों के लिए खाद्य सुरक्षा, सुरक्षित एवं स्थायी/सतत् भोजन। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को जैविक खेती से बने उत्पादों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है।

यह अभियान (ग्रीन एक्शन वीक 2013) ग्रीन एक्शन कोष के अन्तर्गत चलाया जा रहा है। यह कोष स्वीडन सोसायटी फॉर नेचर कन्जरवेशन एवं कन्ज्यूमर इंटरनेशनल की साझेदारी से बना है। इस कोष के निर्माण का उद्देश्य विश्व स्तर पर जागरूकता एवं पैरवी सम्बन्धित गतिविधियों के माध्यम से सतत् विकास को बढ़ाना तथा गरीबी को कम करना है जिससे कि उपयोग के स्थायी तरीको को प्रोत्साहित किया जा सकें।

इस अभियान को गांव तक पहुंचाने के लिए 'कट्स' तथा कन्ज्यूमर कोऑर्डिनेशन काउन्सिल ने साझेदारी करी तथा अभियान 'सभी के लिए सुरक्षित एवं स्थायी भोजन हेतु जैविक खेती' को जयपुर जिले में सांभार ब्लॉक की 10 ग्राम पंचायतों में माह सितम्बर-अक्टूबर, 2013 में चलाया जा रहा है। यह अभियान मुख्य रूप से कन्ज्यूमर इंटरनेशनल और स्वीडिश सोसायटी फॉर नेचर कंजरवेशन द्वारा प्रायोजित है।

अभियान का उद्देश्य

- जैविक खेती के बारे मे उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता फैलाना।
- किसानों को जैविक खाद का उपयोग करने के लिए शिक्षित करना जिससे कि देश के लोगों को अच्छा और शुद्ध भोजन प्राप्त हो और वह स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकें।

अभियान की गतिविधियां

सेन्सिटाईजेशन कार्यशाला

किसानों को जागरूक करने के लिए राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के सांभर ब्लॉक की 10 ग्राम पंचायतों में कार्यशाला आयोजित की जाएगी जिससे कि वे जैविक खेती की ओर अग्रसर हो सकें।

ब्लॉक स्तरीय परामर्श बैठक

उर्वरता में सुधार, रसायनों, कीटनाशकों के उपयोग को बंद करने हेतु एवं जैविक उत्पादन को बढ़ावा देने के तरीके के बारे में चर्चा करने के लिए सांभर ब्लॉक में